SA-06

June - Examination 2026
B.A. (Part-III) Examination
SANSKRIT
वेद, उपनिषद् तथा भारतीय दर्शन
Paper : SA-06

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **70***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) आत्मदा एवं बलदा यह शब्द किस देवता के लिए प्रयुक्त हुआ है?

   (ii) संज्ञान सूक्त के ऋषि कौन हैं?

   (iii) लोक उस विराट् पुरुष के किस अंग से उत्पन्न हुए हैं?

   (iv) समवाय किसे कहते हैं?

   (v) किस दर्शन में देह को आत्मा की संज्ञा दी गई है?

   (vi) सम्यक दर्शन किसे कहते हैं?

   (vii) अनात्मवाद किसे कहते हैं?

खण्ड–'ब' **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

2. निम्न में से किसी एक मन्त्र की सन्दर्भ–अन्वय–अनुवाद सहित व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए –

   (अ) यः पृथिवीं व्यथमानामंदृहद्
   यः पर्वतान् प्रकुपितां अरम्णात्।
   यो अन्तरिक्षं विममे वरीयो
   यो द्यामस्तभ्नात्स जनास इन्द्रः।।

   अथवा

   (ब) सप्त चक्रान् वहति काल एष सप्तास्य नाभीरमृतं न्वक्षः।
   स इमा विश्वा भुवनान्यञजत् कालः स ईयते प्रथमो नु देवः।।

3. संज्ञान सूक्त के सामाजिक सन्देश का वर्णन कीजिए।

4. निम्न में से किसी एक की व्याख्या संस्कृतभाषा में कीजिए –

(अ) स त्वमग्नि स्वर्ग्यमध्येषि मृत्यो, प्रज्रूहि तं श्रद्दधानाय मह्यम्।
स्वर्गलोका अमृतत्वं भजन्ते एतद् द्वितीयेन वृणे वरेण।।

अथवा

(ब) श्वोभावा मर्त्यस्य यदन्तकैतत्सर्वेन्द्रियाणां जरयन्ति तेजः।
अपि सर्वं जीवितमल्पमेव तवैव वाहास्तव नृत्यगीते।।

5. शिवसंकल्प सूक्त के अनुसार मन के स्वरूप को समझाइए।

6. कठोपनिषद् के अनुसार श्रेय एवं प्रेय मार्ग में अन्तर को बताइए।

7. सृष्टि प्रक्रिया में पुरुष सूक्त के महत्त्व को बताइए।

8. विवर्तवाद को स्पष्ट कीजिए।

9. बौद्ध दर्शन के अनुसार प्रतीत्यसमुत्पाद को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–'स' **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **14** अंक का है।

10. विष्णु सूक्त के अनुसार विष्णु देवता के स्वरूप का विशद विवेचन कीजिए।

11. सांख्यदर्शन के अनुसार सत्कार्यवाद की समीक्षा कीजिए।

12. वेदान्तदर्शन के अनुसार मायावाद का वर्णन कीजिए।

13. बौद्धदर्शन के अनुसार निर्वाण के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
